



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 226]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 26, 1995/ज्यैष्ठ 5, 1917

No. 226]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 26, 1995/JYAISTHA 5, 1917

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मई, 1995

नं. 97/95--सीमाशुल्क

सा. का. नि. 447(अ) — केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हुआ जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिक अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के किन्हीं अध्याय के अन्तर्गत आने वाले और इसमें उपाधय सारणी के (जिन इसमें इसके बाबजूत उक्त सारणी राजा गया है, सम्म (2) में विनिर्दिष्ट मान धी, अब उक्त सारणी में पुरा आयात किया जाए, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय उतने सीमाशुल्क और उक्त सीमा शुल्क टैरिक अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने प्रतिरिक्त शुल्क से विपत्ता सारणी के सम्म (3) के की सम्मानी प्रविष्टि में उद्दिष्ट रकम से अधिक है, सूट देशी है।

सारणी

क्र. सं.	मान का वर्णन	शुल्क का रकम
(1)	(2)	(3)

1. माय जिसका निर्यात किया गया —

(क) सब द्वारा उद्ग्रहीत किन्हीं सीमाशुल्कों या उत्पाद शुल्कों की वापसी के लिए दावा के अंतर्गत निर्यात के समय अनुज्ञात सीमाशुल्कों या उत्पाद शुल्कों की वापसी को रकम।

(1) (2) (3)
(ख) किसी राज्य द्वारा उद्ग्रहीत किसी उत्पाद शुल्क की वापसी के लिए दावा के अंतर्गत मान के आयात के समय और स्थान पर राज्य द्वारा उद्ग्रहीत उत्पाद शुल्क की रकम।

(ग) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के रिबेट के लिए दावा के अंतर्गत निर्यात के समय लिए गए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के रिबेट की रकम।

(घ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का संशय किए बिना बंधन के अंतर्गत असंश्ल केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की रकम।

2. मान, उससे भिन्न जो प्रम संख्या 1 के अंतर्गत आता है, जिसका विदेश में मरम्मत के लिए निर्यात किया गया। सीमाशुल्क जो तब उद्ग्रहणीय होगा जब मरम्मत के पश्चात् पुन आयातित मान का मूल्य की गई मरम्मत की उचित लागत से निकाला गया हो जिसके अंतर्गत मरम्मत में उपयोग की गई सामग्री की लागत (चाहे ऐसी लागत वास्तव में उपयोग हुई हो या नहीं), बीमा और दोनों और के माय-बाड़ा प्रभाव भी है।

3. मान उनसे भिन्न जो प्रम संख्या 1 से 2 के अंतर्गत आता है। कुछ नहीं।

परन्तु यह तब जबकि सहायक सीमाशुल्क आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि :—

(क) माल का [उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में माल के वर्णन के अन्तर्गत आने वाले] उसके निर्यात के पश्चात् तीन वर्ष के भीतर या ऐसी दो वर्ष से अधिक की बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर पुनः आयात किया जाता है जो सीमा शुल्क आयुक्त विवेक के लिए पर्याप्त कारण दर्शित करने पर अनुज्ञात करे

(ख) माल [उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में माल के वर्णन के अन्तर्गत आने वाले] वही है जिसका निर्यात किया गया था और

(ग) माल [उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में क्रम संख्या 2 के अधीन आने वाले माल के वर्णन के अन्तर्गत] के निर्यात और पुनः आयात के समय के बीच, माल के स्वामित्व में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है :

परन्तु यह और कि इस अधिसूचना की कोई बात ऐसे पुनः आयातित माल को लागू नहीं होगी जिसका निर्यात निम्नलिखित रूप में किया गया है।

(क) केन्द्रीय उत्पादशुल्क और वस्तु अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन यथा परिभाषित किसी एक प्रतिगत निर्यातशुल्क उपक्रम या किसी मुक्त व्यापार क्षेत्र के किसी एक द्वारा ;

(ख) निर्यात और आयात नीति के अध्याय 7 के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट शुल्क छूट स्कीम के अधीन ;

(ग) निर्यात और आयात नीति के अध्याय 6 में विनिर्दिष्ट निर्यात संबंधित पूर्ण माल स्कीम के अधीन ;

(घ) सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 57 या द्वारा 58 के अधीन यथास्थिति, निर्यात या अनुज्ञात किसी लोक भांडागार या प्राइवेट भांडागार से ;

स्पष्टीकरण :—

(1) इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, "निर्यात और प्रयात नीति" से भाषाज्य मंत्रालय की यथा संशोधित लोक सूचना सं. 1-आई. टी. सी. (पी. एन.), 1992-97, तारीख 31-3-92 के अधीन प्रकाशित "निर्यात और आयात नीति 1-4-1992-31-3-1997" अभिप्रेत है।

(2) इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, माल को वैसे ही माना तब नहीं समझा जाएगा जब उसका निर्यात में गलत, पुनः चक्रण, या पुनः संरक्षण के द्वारा पुनः विनिर्माण या पुनः संस्करण करी के पश्चात् पुनः आयात किया जाता है।

[फा. सं. 435/3/95 - सी. यू. एम IV]
एम. एम. भटनागर, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th May, 1995

No. 97/95-CUSTOMS

G.S.R. 447(B). :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods falling within any Chapter of the first Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and specified in Column (2) of the Table hereto annexed (hereinafter referred to as the said Table) when re-imported into India, from so much of the

duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule and the additional duty leviable there on under section 3 of the said Customs Tariff Act, as is in excess of the amount indicated in the corresponding entry in Column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Description of goods	Amount of duty
1.	Goods exported—	
(a)	under claim for drawback of any customs or excise duties levied by the Union,	Amount of drawback of customs or excise duties allowed at the time of export.
(b)	under claim for drawback of any excise duty levied by a State.	Amount of excise duty leviable by the State at the time and place of importation of the goods.
(c)	under claim for rebate of Central excise duty.	Amount of rebate of Central excise duty availed at the time of export.
(d)	under bond without payment of Central excise duty.	Amount of Central excise duty not paid.
2.	Goods, other than those falling under Sl. No. 1, exported for repairs abroad.	Duty of customs which would be leviable if the value of reimported goods after repairs were made up of the fair cost of repairs carried out including cost of materials used in repairs (whether such costs are actually incurred or not), insurance and freight charges, both ways.
3.	Goods, other than those falling under Sl. Nos. 1 and 2.	Nil.

Provided that the Assistant Commissioner of Customs is satisfied that :—

- the goods [covered under description of goods in column (2) of the said Table] are reimported within three years after their exportation or within such extended period, not exceeding two years, as the Commissioner of Customs may on sufficient cause being shown for the delay, allow;
- the goods [covered under description of goods in column (2) of the said Table] are the same which were exported; and
- there has been no change in the ownership of the goods [covered under description of the goods against Sl. No. 2 in column (2) of the said Table] between the time of their export and reimport :

Provided further that nothing contained in this notification shall apply to re-imported goods which had been exported.

- by a hundred percent export oriented undertaking or a unit in a Free Trade Zone as defined under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944);

- (b) under the Duty Exemption Scheme specified under Chapter VII of the Export and Import Policy;
- (c) under the Export Promotion Capital Goods Scheme specified in Chapter VI of the Export and Import Policy;
- (d) from a public warehouse or a private warehouse appointed or licensed as the case may be under section 57 or section 58 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

Explanation :—

- (1) For the purposes of this notification, "Export and Import Policy" means the Export and Import Policy, 1-4-1992—31-3-1997, published under the Ministry of Commerce, Public Notice No. 1—ITC(PN), 1992-97 dated 31st March, 1992 as amended.
- (2) For the purposes of this notification, the goods shall not be deemed to be the same if these are re-imported after being subjected to remanufacturing or reprocessing through melting, recycling or recasting abroad.

[F. No. 435/3/95-CUS-IV]

S.M. BHATNAGAR, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मई, 1995

सं. 98/95 - सीमाशुल्क

सा. का. नि. 448(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है भारत में विनिर्मित माल और ऐसे माल के भागों को, चाहे वे भारतीय या विदेशी विनिर्माण के हों, और भारत में सम्मत के लिए पुनः आयातित माल को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त अनिवार्य शुल्क से छूट देती है :

परन्तु यह तब जबकि

- (क) ऐसा आयात, निर्यात की तारीख से तीन वर्ष के भीतर किया जाता है ;
- (ख) माल की सम्मत के पश्चात पुनः निर्यात आयात से छह मास या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क आयुक्त अनुज्ञात करे, किया जाता है ; और
- (ग) सहायक सीमाशुल्क आयुक्त का माल की पहचान के बारे में समाधान हो जाता है :

परन्तु यह और कि आयातकर्ता —

- (क) सम्मत के पश्चात आयात से छह मास या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क आयुक्त अनुज्ञात करे, माल का पुनः निर्यात करने का ;
- (ख) पुनः निर्यात से पहले सहायक सीमाशुल्क आयुक्त के समक्ष पहचान के लिए माल को प्रस्तुत करने का ; और
- (ग) यदि नियत अवधि के भीतर पुनः निर्यात नहीं किया जाता है तो शुल्क का संवय करने का,

सम्बन्ध करते हुए एक संक्षेप निष्पादित करता है ।

[फा. सं. 435/3/95—सीएम—IV]

एम. एम. भटनागर, अवसर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th May, 1995

No. 98/95-CUSTOMS

G. S. R. No 448 (E) - In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods manufactured in India and parts of such goods whether of Indian or foreign manufacture, and reimported into India for repairs from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act:

Provided that-

- (a) such importation takes place within three years from the date of exportation;
- (b) the goods are re-exported after repairs within six months of the importation or such extended period not exceeding one year as the Commissioner of Customs may allow; and
- (c) the Assistant Commissioner of Customs is satisfied as regards the identity of the goods:

Provided further that the importer executes a bond under taking-

- (a) to re-export the goods after repairs within six months of the importation or such extended period as the Commissioner of Customs may allow;
- (b) to produce the goods before the Assistant Commissioner of Customs for identification before re-export; and
- (c) to pay the duty if the re-export does not take place within the stipulated period.

[F. No. 435/3/95-cus-IV]

S. M. BHATNAGAR, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मई, 1995

सं. 99/95—सीमाशुल्क

सा. का. नि. 449(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (यथास्थिति, राजस्व प्रभाग राजस्व विभाग या राजस्व और बैंकिंग विभाग) की निम्न-लिखित अधिसूचनाओं को विशदित करती है, अर्थात् :—

1. सं. 2/53 सीमाशुल्क, तारीख 10 जनवरी 1953 ।
2. सं. 275/58 — सीमाशुल्क, तारीख 25 अक्तूबर, 1958 ।
3. सं. 276/58 — सीमाशुल्क, तारीख 25 अक्तूबर, 1958 ।
4. सं. 92/63 — सीमाशुल्क, — तारीख 9 मार्च 1963 ।
5. सं. 204/76 — सीमाशुल्क, तारीख 2 अगस्त, 1976 ।

[फा. सं. 435/3/95—सी. श. —4]

एस. एम. भटनागर, अवसर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th May, 1995

No. 99/95-CUSTOMS

GSR 449 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Revenue Division, Department of Revenue or Department of Revenue and Banking, as the case may be), namely:

1. No. 2/53-Customs, dated the 10th January, 1953.
2. No. 275/58-Customs, dated the 25th October, 1958.
3. No. 276/58-Customs, dated the 25th October, 1958.
4. No. 92/63-Customs, dated the 9th March, 1963.
5. No. 204/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.

[F. No. 435/3/95-CUS-IV]

S. M. BHATNAGAR, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मई, 1995

सं. 100/95-संसाधन

सा. का. नि. 450 (अ) — केन्द्रीय सरकार, संसाधन अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह संतोषात् हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, निदेश देती है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग की इससे उपाययुक्त सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक अधिसूचना का, उक्त सारणी के स्तंभ (3) में की नवस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से, उपाययुक्त, संशोधन किया जाएगा।

सारणी

क्र. स.	अधिसूचना नं. और तारीख	संशोधन
1	2	3
(1)	सं. 154/94-संसाधन तारीख 13 जुलाई, 1994	उक्त अधिसूचना से उपाययुक्त सारणी में क्रम सं. 5 के सामने, स्तंभ (3) में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्न-लिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात्:— (i) कि उक्त साम का डाक द्वारा या किसी वायुयान से या कूरियर सेवा द्वारा आयात किया गया है; (ii) उक्त नमूनें या आदिप्ररूप का मूल्य दो हजार रुपए से अधिक नहीं है, और (iii) उक्त साम का निर्यात प्रवाह किया गया है। स्पष्टीकरण: खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए दो हजार रुपए की मूल्य सीमा का अवधारण करने के लिए डाक प्रभार या विमानयन्त्र भाड़ा को हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

1	2	3
2.	सं. 171/93-संसाधन तारीख 16 सितम्बर 1993	उक्त अधिसूचना में 'एक हजार रुपए' शब्दों के स्थान पर जहाँ जहाँ वे आते हैं 'दो हजार रुपए' शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 110/18/95-संसाधन-IV]

एस. एम. बटनगर, अधीक्षक सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th May, 1995

No. 100/95-CUSTOMS

G. S. R. 450 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, specified in column (2) of the Table hereto annexed, shall be amended in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Notification No. and date	Amendment
1	2	3
(1)	No. 154/94-Customs dated the 13th July, 1994	In the Table annexed to the said notification, against Sl. No. 5, for the entry in column (3), the following entry shall be substituted; namely:— “(i) the said goods have been imported by post or in an aircraft, or by courier service; (ii) the value of the said samples or prototypes does not exceed rupees two thousand and (iii) the said goods have been supplied free of charge. Explanation: For the purposes of clause (ii), postal charges or the air freight shall not be taken into account for determining the value limit of rupees two thousand.
(2)	No. 171/93-Customs dated the 16th September 1993	In the said notification, for the words ‘rupees one thousand’ wherever they occur the words ‘rupees two thousand’ shall be substituted.

[No. 446/18/95-Cus-IV]

S. M. BHATNAGAR, Under Secy.